Raj Express (Indore), 22nd September 2022, Page – 02

हमारे पास सामाजिक-आर्थिक शक्ति में बदलने की क्षमता

इंदौर। हमारे पास है देश को महान सामाजिक-आर्थिक शक्ति में बदलने की क्षमता युवा पीढ़ि के छात्रों को पता होना चाहिए कि भारत किस अंतर्राष्ट्रीय स्थिति में है। इससे सभी देशवासियों को हमारे देश के अतीत और भविष्य से जुड़ने में मदद मिलेगी। भारत की वैश्विक नियति की व्यापक तस्वीर साफ दिख रही है। हमारे पास एक बड़ी आबादी है, लेकिन हमारे पास भारत को महान सामाजिक-आर्थिक शक्ति में बदलने की क्षमता है। भारत जिस गति से आगे बढ़ रहा है, 2024 तक वह एक महान आर्थिक शक्ति के रूप में उभरेगा। यह कहना हैं

संजीव सिंह पुरी, पूर्व राजदूत का। पुरी, पूर्व राजदूत ने विदेश मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से आईआईटी इंदौर में इंडियाज़ ट्रायस्ट विथ ग्लोबल डेस्टिनी पर एक व्याख्यान दिया। भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष के उत्सव के एक भाग के रुप में इंडिया एट 75: विदेश नीति विशिष्ट, नामक एक स्मारक व्याख्यान श्रंखला के तहत आयोजित की। इस पहल के तहत, देश भर के विभिन्न संस्थानों में भारत के प्रतिष्ठित सेवानिवृत्त राजदूतों द्वारा भारत की विदेश नीति पर व्याख्यान आयोजित किए जा रहे हैं। राजदूत पुरी ने भारत के अतीत के गौरव और वर्तमान समय के साथ इसके जुड़ाव पर बात की। राजदूत पुरी ने संस्थान परिसर में एक पौधा भी लगाया। प्रो. सुहास जोशी, निदेशक, आईआईटी इंदौर ने विशिष्ट अतिथि का स्वागत किया और विदेश नीति और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के क्षेत्र में ऐसे दिग्गजों द्वारा निरंतर ज्ञान साझा करने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रो. रघुनाथ साहू, अंतर्राष्ट्रीय संबंध के कार्यवाहक डीन और संयोजक संस्थान संगोष्ठी और आउटरीच समिति ने वक्ता का परिचय दिया।